

भारत-अमेरिका बैठक की रूपरेखा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय तथा अमेरिकी वशिषज्जों ने एक तीन दविसीय परामर्श शुरु किया है जिसमें भारत तथा अमेरिका के वदिश एवं रक्षा मंत्रियों के बीच जुलाई में होने वाली अपनी तरह की पहली द्वपिक्षीय बैठक के लयि प्रमुख वषियों का नरिधारण किया जाएगा । भारतीय तथा अमेरिकी वदिश मंत्रियों एवं रक्षा मंत्रियों के बीच होने वाली वार्ता जसि 2+2 वार्ता का नाम दिया गया है, से दोनों देशों के बीच संबध और अधकि मज़बूत होंगे ।

2+2 वार्ता क्या है?

- यद दो देशों के बीच एक साथ ही दो-दो मंत्रसितरीय वार्ताएँ आयोजति की जाएँ तो इसे 2+2 वार्ता का नाम दिया जाता है ।
- भारत-अमेरिका 2+2 वार्ता में दोनों पक्षों के वदिश और रक्षा मंत्रियों के बीच वार्ता होनी है ।
- इस मॉडल के तहत भारत और जापान तथा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भी वार्ता हुई है ।

क्या है उद्देश्य?

- भारत और अमेरिका के बीच संवाद को नया रूप देने के लयि नयिमति वार्ता का एक ऐसा ढाँचा वकिसति किया जा रहा है, जसिसे दोनों देशों के बीच रक्षा के कषेत्र में साझेदारी और मज़बूत होगी ।
- इसका एक अन्य उद्देश्य यह भी है कहिदि-प्रशांत महासागर कषेत्र में शांति और स्थरिता कायम करने में भारत-अमेरिका मलिकर अपनी भूमिका नभाएँ ।
- प्रसतावति संरचना के तहत अब भारत और अमेरिका के बीच '2+2' व्यवस्था के अंतरगत नयिमति रूप से मंत्रसितरीय वार्ता होती रहेगी और दोनों देशों के रक्षा एवं वदिश सचवियों के बीच सतत् संपर्क बना रहेगा ।
- मंत्रसितरीय वार्ता का नया तंत्र शुरु कर हदि-प्रशांत कषेत्र में शांति और स्थरिता बढ़ाने से दोनों देशों के बीच रणनीतिक वचार-वमिर्श और बढ़ेगा ।

महत्त्वपूर्ण बदि

- इस बैठक में प्रमुख वशिषता वाले कषेत्रों में से एक संचार संगतता और सुरक्षा समझौते (Communications Compatibility and Security Agreement -COMCASA) में उत्पन्न दरारों को भरना है । यह उन चार आधारभूत समझौतों में से एक है जो अमेरिका द्वारा अपने कसिी साथी राष्ट्र को दयि जाने वाले रक्षा सहयोग में मदद करता है ।
- अमेरिकी पक्ष से उभर रहे संकेत यह दर्शाते हैं कवि हदि-प्रशांत कषेत्र की रणनीति में भारत को दयि गए महत्त्व पर ज़ोर देने के इच्छुक हैं । हाल ही में अमेरिका के पैसफिकि कमांड (PACOM) को इंडो-पैसफिकि कमांड (INDOPACOM) नाम दिया गया था, जो इस कषेत्र में भारत के महत्त्व का प्रतीक है ।
- आधारभूत समझौतों के अलावा अमेरिका भारत के साथ व्यापक खुफिया जानकारी-साझाकरण समझौते के लयि भी उत्सुक है क्योकदोनों देशों ने अपने आतंकवाद वरिधी सहयोग में व्यापक वसितार किया है ।
- इस संदर्भ में चौथा आधारभूत समझौता मूल वनिमिय और सहयोग समझौता (Basic Exchange and Cooperation Agreement -BECA), भू-स्थानकि सहयोग के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण होगा ।
- COMCASA और BECA दो आधारभूत समझौते हैं जनि पर भारत ने अभी तक हस्ताक्षर नहीं कयि हैं ।
- इसने पहले ही जनरल सकियोरटि ऑफ़ मलिटिरी इन्फार्मेशन एग्रीमेंट (General Security Of Military Information Agreement -GSOMIA) और लॉजसिटिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ़ एग्रीमेंट (Logistics Exchange Memorandum of Agreement -LEMOA) पर हस्ताक्षर कयि हैं ।
- अमेरिका वर्ष 2002 से ही आधारभूत समझौते से भारत को जोड़ना चाहता है लेकिन एक के बाद एक आने वाली सरकारें अमेरिकी मांगों को मानने के प्रतति सावधान रही हैं ।

ड्रोन की बकिरी

- COMCASA समझौता एन्क्रप्टिटेड संचार प्रणालियों के हस्तांतरण की सुवधि प्रदान करेगा ।
- अमेरिका भारत को उच्च तकनीक वाले सैन्य हार्डवेयर वशिष रूप से सशस्त्र ड्रोन की आपूर्तकिरना चाहता है, इसलियि ये समझौते वाशगिटन के लयि अधकि आवश्यक हैं ।

- सशस्त्र ड्रोन की बकिरी का मुद्दा 2 + 2 वार्ता के मुख्य वषियों में सबसे ऊपर है ।
- नई दिल्ली ने हाल ही में दोनों पक्षों के बीच हुई कई दौर की वार्ताओं में इस मुद्दे पर पहले की ही तरह अपनी अनचिछा व्यक्त की है और यह COMCASA के लिये अनरिणीत रहा है ।

उच्च तकनीकी सहयोग में सुधार

उच्च तकनीकी सहयोग में सुधार के रूप में, भारत और अमेरिका ने महत्वाकांक्षी रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल की घोषणा की तथा भारत को एक प्रमुख रक्षा भागीदार नामित किया । लेकिन इस क्षेत्र में भी इससे अधिक कुछ नहीं किया गया है ।

उच्च स्तरीय समझौते

भारत और अमेरिका के बीच तीन उच्च स्तरीय रक्षा समझौतों में से केवल एक पर ही हस्ताक्षर हुए हैं ।

COMCASA

संगतता और सुरक्षा समझौता (Communications Compatibility and Security Agreement -COMCASA) एन्क्रिप्टेड संचार प्रणाली के हस्तांतरण को सरल बनाता है और उच्च तकनीक वाले सैन्य उपकरणों को साझा करने हेतु यह समझौता अमेरिका की प्रमुख आवश्यकता है ।

BECA

मूल वनिमिय और सहयोग समझौता (Basic Exchange and Cooperation Agreement) भू-स्थानिक जानकारी के वनिमिय को आसान बनाता है ।

LEMOA

लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट (Logistics Exchange Memorandum of Agreement) पर भारत ने वर्ष 2016 में हस्ताक्षर किये थे । यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं को एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं तक पहुँच को आसान बनाता है लेकिन यह इसे स्वचालित या अनविर्य नहीं बनाता है ।

नष्टिकर्ष

भारत द्वारा अब तक इन समझौतों पर हस्ताक्षर न किये जाने का कारण यह है कि भारत को भय है, इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने का मतलब है रूस के साथ वर्षो पुराने सैन्य संबंधों तथा उसके हथियार प्रणाली तक पहुँच के साथ समझौता करना पड़ेगा । उम्मीद है कि 2 + 2 वार्ता से पहले दोनों देशों के बीच व्यापक समझ उत्पन्न हो सकती है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/road-map-laid-for-india-us-meet>

